एआईसीटीई प्रायोजित

2 दिवसीय कार्यशाला

प्रतिवेदन पत्रिका

"सतत भविष्य के लिए मानव समाज और पर्यावरण के योगदान की खोज"

दिनांक: 9-10 जुलाई, 2025

डीपीजी डिग्री कॉलेज

नैक "ए", एआईसीटीई स्वीकृत, यूजीसी मान्यता प्राप्त, एमडीयू से संबद्ध

सेक्टर 34, गुरुग्राम

www.dpgdegreecollege.com

+91-92500-08494

एआईसीटीई-भारतीय भाषाओं के विकास और पोषण के लिए जीवंत वकालत संस्था

2 दिवसीय कार्यशाला

“स्थायी भविष्य के लिए मानव समाज और पर्यावरण के योगदान की खोज”

हिंदी भाषा में

निर्धारित तिथियाँ: 09-07-2025 से 10-07-2025

डीपीजी डिग्री कॉलेज ने 9 और 10 जुलाई, 2025 को "**सतत भविष्य के लिए मानव समाजों और पर्यावरण के योगदान की खोज**" विषय पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की सफलतापूर्वक आयोजित की। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा प्रायोजित इस सामयिक कार्यक्रम में देश भर के **AICTE-अनुमोदित विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 114 से अधिक प्रतिभागियों** ने भाग लिया।

यह कार्यशाला पर्यावरणीय स्थिरता के महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दे पर **अंतःविषय संवाद और ज्ञान साझा करने** के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अत्यधिक जानकारीपूर्ण सत्र दिए, जिसमें पर्यावरणीय स्थिरता के विभिन्न पहलुओं और मानव गतिविधियों तथा पर्यावरण के बीच जटिल संबंध पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला के दौरान चर्चा किए गए मुख्य विषयों में शामिल थे:

- **पारिस्थितिक संतुलन पर मानव समाजों का प्रभाव:** सत्रों में यह समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया कि औद्योगीकरण से लेकर शहरीकरण तक विभिन्न मानवीय हस्तक्षेप, प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों और संसाधनों की कमी को कैसे प्रभावित करते हैं।
- **सतत विकास के लिए रणनीतियाँ:** विशेषज्ञों ने विभिन्न क्षेत्रों में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण और सर्वोत्तम प्रथाएँ प्रस्तुत कीं।
- **पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका:** चर्चाओं में जिम्मेदार भावी पीढ़ियों को विकसित करने के लिए पर्यावरणीय स्थिरता को शैक्षिकB पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया गया।
- **हरित भविष्य के लिए तकनीकी प्रगति:** प्रस्तुतकर्ताओं ने अत्याधुनिक तकनीकों और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत जीवन को बढ़ावा देने में उनकी क्षमता पर प्रकाश डाला।
- **नीतिगत ढाँचे और सामाजिक जिम्मेदारियाँ:** कार्यशाला में नीतिगत परिदृश्य और सतत परिवर्तन लाने में व्यक्तियों, समुदायों तथा सरकारों की सामूहिक जिम्मेदारी पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

प्रतिभागियों, जिनमें संकाय सदस्य, शोधकर्ता और छात्र शामिल थे, ने सक्रिय रूप से संवादात्मक सत्रों, पैनल चर्चाओं और ज्ञान के आदान-प्रदान में भाग लिया, जिससे एक जीवंत शिक्षण वातावरण का निर्माण हुआ। कार्यशाला ने एक सतत भविष्य को आकार देने में मानव समाजों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में **जागरूकता बढ़ाने और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि को बढ़ावा देने** के अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। दो दिनों के दौरान पर्यावरणीयRRR प्रबंधन के प्रति व्यक्त सहयोगात्मक भावना और साझा प्रतिबद्धता ने स्थिरता की चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहु-विषयक प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया।

सत्र वक्ताओं का परिचय

वक्ता: डॉ. अवनी खटकर,

वैज्ञानिक, एलएफ और एचएफ वोल्टेज, करंट और माइक्रोवेव मेट्रोलॉजी
सीएसआईआर - राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

परिचय

डॉ. अवनी खटकर वर्तमान में एलएफ और एचएफ वोल्टेज, करंट और माइक्रोवेव मेट्रोलॉजी, सीएसआईआर - राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार में एक वैज्ञानिक के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने 2011 में UIET, MDU, रोहतक से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में सम्मान के साथ प्रौद्योगिकी स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह अपनी मास्टर डिग्री में स्वर्ण पदक विजेता हैं। उसी विश्वविद्यालय से उन्होंने 2017 में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में पीएचडी पूरी की। अपने पीएचडी कार्य में, उन्होंने वाईमैक्स में QOS के लिए सुरक्षा तकनीकों की जांच में अग्रणी भूमिका निभाई। पीडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बहादुरगढ़ में सहायक प्रोफेसर के रूप में एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद, वह एमआरआईईएम, रोहतक में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुईं। इसके बाद उन्होंने इंडिगो एयरलाइंस के साथ एक तकनीकी प्रशिक्षक के रूप में भी काम किया।

डॉ. अवनी खटकर के सत्र के मुख्य बिंदु शामिल थे:

स्थिरता को परिभाषित करना: डॉ. खटकर ने स्थिरता की मूल अवधारणा को स्पष्ट करते हुए शुरुआत की, इसके तीन परस्पर जुड़े स्तंभों पर प्रकाश डाला: पर्यावरणीय संरक्षण, सामाजिक इक्विटी और आर्थिक व्यवहार्यता। उन्होंने जोर दिया कि सच्ची स्थिरता में भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करना शामिल है।
प्रणालियों की अंतर्संबंधता: सत्र ने मानव समाजों और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच जटिल संबंध को रेखांकित किया। डॉ. खटकर ने समझाया कि मानवीय गतिविधियाँ सीधे पारिस्थितिक तंत्र को कैसे प्रभावित करती हैं, और इसके विपरीत, एक स्वस्थ वातावरण मानव कल्याण और सामाजिक प्रगति के लिए कितना मौलिक है।

प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियाँ: डॉ. खटकर ने वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान किया। इसमें जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जैव विविधता का नुकसान, पानी की कमी और प्रदूषण पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने इन मुद्दों के पैमाने और तात्कालिकता को दर्शाने के लिए सम्मोहक डेटा और उदाहरण प्रस्तुत किए।

मानवजनित प्रभाव: बातचीत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इन चुनौतियों को बढ़ाने में मानव समाजों की भूमिका पर चर्चा के लिए समर्पित था। डॉ. खटकर ने बताया कि औद्योगीकरण, उपभोग पैटर्न, जनसंख्या वृद्धि और अस्थिर संसाधन प्रबंधन प्रथाएँ पर्यावरणीय क्षरण में कैसे योगदान करती हैं।

एक सतत भविष्य के रास्ते: चुनौतियों की गंभीरता के बावजूद, डॉ. खटकर ने एक आशावादी नोट पर निष्कर्ष निकाला, जिसमें स्थिरता की दिशा में विभिन्न रास्तों की रूपरेखा तैयार की गई। उन्होंने सकारात्मक बदलाव लाने में सामूहिक कार्रवाई, नीतिगत परिवर्तनों, तकनीकी नवाचार और व्यक्तिगत जिम्मेदारी के महत्व पर जोर दिया। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, चक्रीय अर्थव्यवस्था सिद्धांतों को अपनाना, सतत कृषि को बढ़ावा देना और जिम्मेदार उपभोग को प्रोत्साहित करना शामिल था।

वक्ता: डॉ. अनुपम कुर्लवाल (आचार्य)

सह - प्राध्यापक,एमडीयू-सीपीएएस (एमडीयू सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज)

परिचय

डॉ. अनुपम कुलरवाल (आचार्य) एमडीयू सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज, गुरुग्राम में कानून के एक अत्यंत कुशल एसोसिएट प्रोफेसर हैं, जिनके पास 20 वर्षों का समृद्ध शिक्षण अनुभव है। एलएल.एम; पीएच.डी; और यूजीसी-नेट योग्यता के धनी, वह एक प्रतिष्ठित कानूनी और प्रेरक विशेषज्ञ हैं। उनके महत्वपूर्ण योगदानों में 13 सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों का लेखन, विभिन्न श्रोताओं को 400 से अधिक व्याख्यान देना और 2019 में गुरुग्राम अचीवर अवार्ड प्राप्त करना शामिल है। विशेष रूप से, उन्हें 2019 में टोरंटो में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

डॉ. कुलरवाल के सत्र के मुख्य बिंदु शामिल थे:

पर्यावरणीय न्याय को परिभाषित करना: डॉ. कुलरवाल ने पर्यावरणीय न्याय को सभी लोगों, चाहे उनकी जाति, रंग, राष्ट्रीय मूल या आय कुछ भी हो, के साथ पर्यावरणीय कानूनों, विनियमों और नीतियों के विकास, कार्यान्वयन और प्रवर्तन के संबंध में निष्पक्ष व्यवहार और सार्थक भागीदारी के रूप में परिभाषित किया।

असमान बोझ: सत्र ने इस बात पर जोर दिया कि हाशिए पर रहने वाले समुदाय, अक्सर कम आय वाले लोग और जातीय अल्पसंख्यक, पर्यावरणीय प्रदूषण और गिरावट का असमान रूप से अधिक बोझ उठाते हैं। डॉ. कुलरवाल ने उदाहरण दिए कि कैसे ये समुदाय अक्सर खतरनाक अपशिष्ट स्थलों, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के पास स्थित होते हैं, या उन्हें स्वच्छ पानी और हवा तक पहुंच नहीं होती है, जिससे प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणाम होते हैं।

मानवाधिकारों के रूप में पर्यावरणीय अधिकार: डॉ. कुलरवाल ने एक स्वस्थ पर्यावरण और मौलिक मानवाधिकारों के बीच मजबूत संबंध को स्पष्ट किया। उन्होंने तर्क दिया कि स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ वातावरण तक पहुंच अन्य मानवाधिकारों, जिनमें जीवन का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, भोजन का अधिकार और पानी का अधिकार शामिल हैं, के उपभोग के लिए एक शर्त है। इसलिए, पर्यावरणीय गिरावट इन अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है।

शासन और नीति की भूमिका: मजबूत शासन और न्यायसंगत नीति-निर्माण का महत्व एक केंद्रीय विषय था। डॉ. कुलरवाल ने समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर जोर दिया जिसमें प्रभावित समुदाय शामिल हों, यह सुनिश्चित करते हुए कि पर्यावरणीय योजना और विनियमन में उनकी आवाज़ सुनी जाए।

सामुदायिक सशक्तिकरण और वकालत: डॉ. कुलरवाल ने पर्यावरणीय न्याय प्राप्त करने में जमीनी स्तर के आंदोलनों और सामुदायिक वकालत की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने उदाहरण साझा किए कि कैसे सशक्त समुदायों ने भेदभावपूर्ण पर्यावरणीय प्रथाओं को सफलतापूर्वक चुनौती दी है और अधिक न्यायसंगत समाधानों के लिए दबाव डाला है।

वैश्विक आयाम: चर्चा पर्यावरणीय न्याय के वैश्विक निहितार्थों तक फैली हुई थी, जिसमें यह बताया गया कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय गिरावट दुनिया भर में कमजोर आबादी और विकासशील देशों को असमान रूप से कैसे प्रभावित करते हैं, अक्सर वे लोग जिनका समस्याओं में सबसे कम ऐतिहासिक योगदान रहा है।

वक्ता: प्रो. पवनेश कुमार,

प्रोफेसर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
इग्नू नई दिल्ली

परिचय

प्रोफेसर पावनेश कुमार एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक हैं, जिनके पास शिक्षण, अनुसंधान और नेतृत्व में 22 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने बीएचयू से एमबीए और ग्रामीण बैंकिंग में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उनकी विशेषज्ञता वित्त और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में निहित है, जो शिक्षा जगत में उनके व्यापक योगदान से परिलक्षित होती है, जिसमें 35 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र, दो लिखित पुस्तकें, 18 संपादित खंड और 15 पुस्तक अध्याय शामिल हैं। वह महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार में वाणिज्य और प्रबंधन विज्ञान के संस्थापक प्रमुख और डीन पीएमएमएम स्कूल रहे हैं। एक समर्पित गुरु के रूप में, प्रोफेसर कुमार ने कई पीएच.डी. विद्वानों का मार्गदर्शन किया है, जिनमें से तीन को सफलतापूर्वक उपाधि प्रदान की गई है और छह वर्तमान में अपना शोध कर रहे हैं। उनका नेतृत्व 50 से अधिक सेमिनारों और कार्यशालाओं के आयोजन और 55 से अधिक विशेषज्ञ व्याख्यान देने तक फैला हुआ है। प्रोफेसर कुमार संस्थागत विकास में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, उन्होंने विभिन्न भूमिकाओं में सेवा की है जैसे टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के साथ समझौता ज्ञापन जैसी महत्वपूर्ण साझेदारियों के लिए नोडल अधिकारी, और उन्नत भारत अभियान और सेहत केंद्र जैसी पहलों का नेतृत्व किया है। वह जनसंपर्क प्रकोष्ठ के संयोजक और एमजीसीयू में डीडीयू परिसर के कैंपस निदेशक भी थे। प्रोफेसर कुमार का समग्र शिक्षा और प्रशासनिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण उन्हें अकादमिक समुदाय में एक प्रमुख व्यक्ति बनाता है।

प्रोफेसर पावनेश कुमार के सत्र के मुख्य बिंदु शामिल थे:

नवाचार की अनिवार्यता: प्रोफेसर कुमार ने इस बात पर जोर देकर शुरुआत की कि वर्तमान स्थिरता चुनौतियों के पैमाने और जटिलता को संबोधित करने के लिए अकेले पारंपरिक दृष्टिकोण अपर्याप्त हैं। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विघटनकारी और अभिनव समाधानों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

तकनीकी प्रगति: सत्र ने दिखाया कि कैसे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं। उदाहरणों में नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन, भूतापीय), कुशल संसाधन प्रबंधन के लिए IoT और AI का लाभ उठाने वाले स्मार्ट सिटी अवधारणाएं, अनुकूलित भूमि और जल उपयोग के लिए सटीक कृषि, और अपशिष्ट-से-ऊर्जा रूपांतरण और चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल जैसी उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकें शामिल थीं।

नीति और शासन नवाचार: प्रोफेसर कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी नवाचार को अभिनव नीतिगत ढाँचों और शासन मॉडल द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। उन्होंने हरित वित्त तंत्र, कार्बन मूल्य निर्धारण, टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के लिए नियामक सैंडबॉक्स, और वैश्विक स्तर पर समाधानों को बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर चर्चा की।

सामाजिक और व्यवहारिक नवाचार: प्रौद्योगिकी और नीति से परे, प्रोफेसर कुमार ने सामाजिक नवाचार और व्यवहार परिवर्तन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने टिकाऊ उपभोग पैटर्न को बढ़ावा देने, समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने, और समग्र विकास के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक प्रथाओं के साथ एकीकृत करने के विचारों को प्रस्तुत किया।

चुनौतियाँ और अवसर: आशावादी होते हुए भी, प्रोफेसर कुमार ने अभिनव समाधानों को लागू करने में आने वाली चुनौतियों को भी संबोधित किया, जैसे कि धन की कमी, मापनीयता के मुद्दे, परिवर्तन का प्रतिरोध, और अंतःविषय सहयोग की आवश्यकता।

वक्ता: डॉ. भूपेंद्र चौधरी,
एसोसिएट प्रोफेसर,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली

परिचय

डॉ. भूपेंद्र चौधरी, इग्नू, दिल्ली में एक एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय से जेनेटिक्स में पीएच.डी. के साथ एक प्रतिष्ठित पादप आनुवंशिकीविद् और जीनोमिक्स विशेषज्ञ हैं। दो दशकों से अधिक का उनका व्यापक शोध, विशेष रूप से कपास फाइबर के लिए जीनोमिक संसाधनों के विकास और सरसों में सूखे के प्रति सहनशीलता में साइटोकिनिन की भूमिका की खोज के माध्यम से, बेहतर क्षेत्र गुणों और तनाव की स्थिति के प्रतिरोध के लिए फसल पौधों को बढ़ाने पर केंद्रित है। अपनी वर्तमान भूमिका से पहले, उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, विश्व-भारती विश्वविद्यालय और आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में डीबीटी विजिटिंग एसोसिएट के रूप में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। डॉ. चौधरी ने प्रधान अन्वेषक के रूप में कई बाह्य अनुसंधान अनुदान सफलतापूर्वक प्राप्त किए हैं और सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में उनका एक मजबूत प्रकाशन रिकॉर्ड है, साथ ही उन्होंने कई पुस्तक अध्यायों में योगदान दिया है और कई पेटेंट आवेदन भी रखे हैं, इन सभी का उद्देश्य उनके आनुवंशिक अंतर्दृष्टि को सामाजिक लाभ के लिए टिकाऊ कृषि परिणामों में बदलना है।

डॉ. भूपेंद्र चौधरी के सत्र के मुख्य बिंदु शामिल थे:

आपस में जुड़े संकट: डॉ. चौधरी ने इस बात पर जोर देकर शुरुआत की कि जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं है, बल्कि एक व्यापक खतरा है जो सतत विकास के सभी आयामों - आर्थिक विकास, सामाजिक इक्विटी और पारिस्थितिक संतुलन - को प्रभावित करता है।

कृषि और जैव विविधता पर प्रभाव: पादप आनुवंशिकी में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, डॉ. चौधरी ने जलवायु परिवर्तन से कृषि को होने वाले विशिष्ट खतरों पर विस्तार से बताया, जिसमें वर्षा पैटर्न में बदलाव, अत्यधिक मौसम की घटनाओं में वृद्धि, और नए कीट और रोग के प्रकोप शामिल हैं।

शमन और अनुकूलन रणनीतियाँ: सत्र में जलवायु परिवर्तन को कम करने (ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने) और इसके अपरिहार्य प्रभावों के अनुकूल होने दोनों के लिए विभिन्न रणनीतियों का पता लगाया गया। डॉ. चौधरी ने नवीकरणीय ऊर्जा में संक्रमण, ऊर्जा दक्षता में सुधार, और टिकाऊ भूमि उपयोग प्रथाओं को लागू करने के महत्व पर चर्चा की।

वैज्ञानिक नवाचार की भूमिका: डॉ. चौधरी ने विशेष रूप से समाधान विकसित करने में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, खासकर पादप आनुवंशिकी और जीनोमिक्स जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने बताया कि आनुवंशिक स्तर पर तनाव के प्रति पौधों की प्रतिक्रियाओं को समझना कैसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पनपने वाली फसलों को जन्म दे सकता है, जो बदलते मौसम में खाद्य सुरक्षा में सीधे योगदान देता है।

नीति और सहयोगात्मक कार्रवाई: चर्चा में जलवायु परिवर्तन को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए मजबूत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों, वित्तीय तंत्रों और सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता भी शामिल थी। डॉ. चौधरी ने एकीकृत दृष्टिकोणों की वकालत की जो वैज्ञानिक समाधानों को सामाजिक-आर्थिक और नीतिगत हस्तक्षेपों के साथ जोड़ते हैं।

सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान: डॉ. चौधरी ने यह कहकर निष्कर्ष निकाला कि जलवायु परिवर्तन को समाज के सभी क्षेत्रों से एक सामूहिक और तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय संरक्षण और मानव कल्याण दोनों को प्राथमिकता देने वाली नीतियों की वकालत करने में अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी को पहचानने का आग्रह किया।

वक्ता:डॉ. वसुंधरा,
विशेषज्ञ,मानवाधिकार,बाल अधिकार और अपराध विज्ञान
अंतर्राष्ट्रीय फोस्टर केयर संगठन,यूके के बोर्ड सदस्य

परिचय

डॉ. वसुंधरा एक अत्यंत निपुण वकील और कानूनी विद्वान हैं, जिनके पास सामाजिक-कानूनी क्षेत्र में 20 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है, जो बच्चों के कानूनी अधिकारों, पॉक्सो, मानवाधिकारों और अपराध विज्ञान में विशेषज्ञता रखती हैं। वर्तमान में नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी में विजिटिंग फैकल्टी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन अल्टरनेटिव केयर (CEAC) की प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत, उन्होंने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों और परिवारों के लिए पहलों की स्थापना और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी गहन विशेषज्ञता उनके कई प्रकाशनों, अनुसंधान परियोजनाओं, संपादक और मुख्य वक्ता के रूप में उनकी भूमिकाओं, और इंटरनेशनल फोस्टर केयर ऑर्गनाइजेशन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बोर्ड सदस्य के रूप में उनकी सक्रिय भागीदारी में परिलक्षित होती है, जो बाल संरक्षण और कल्याण की वकालत और कार्यान्वयन के प्रति उनके समर्पण को प्रदर्शित करता है।

डॉ. वसुंधरा के सत्र के मुख्य बिंदु शामिल थे:

जलवायु न्याय को परिभाषित करना: डॉ. वसुंधरा ने जलवायु न्याय को एक ऐसे ढांचे के रूप में परिभाषित करके शुरुआत की जो जलवायु परिवर्तन को विशुद्ध रूप से पर्यावरणीय या भौतिक प्रकृति के बजाय एक नैतिक और राजनीतिक मुद्दे के रूप में देखता है। यह स्वीकार करता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं होते हैं और अक्सर हाशिए पर पड़े समुदायों और कमजोर आबादी को असमान रूप से प्रभावित करते हैं जिन्होंने समस्या में सबसे कम योगदान दिया है।

कमजोर समूहों पर असमान प्रभाव: सत्र ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे जलवायु परिवर्तन मौजूदा सामाजिक असमानताओं को बढ़ाता है।

मानवाधिकारों को एक आधार के रूप में: मानवाधिकारों और बाल अधिकारों में अपनी व्यापक पृष्ठभूमि का लाभ उठाते हुए, डॉ. वसुंधरा ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु कार्रवाई को मानवाधिकार सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि एक स्वस्थ वातावरण जीवन, स्वास्थ्य, भोजन, पानी और आत्मनिर्णय के अधिकारों सहित कई मानवाधिकारों के उपभोग के लिए एक शर्त है। जलवायु परिवर्तन, जब इन अधिकारों को कमजोर करता है, तो अन्याय का मामला बन जाता है।

वक्ता: डॉ. एस.एन. मिश्र,
पूर्व डीन, एमडीयू विश्वविद्यालय, रोहतक

परिचय

डॉ. एस.एन. मिश्र एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर और डीन (लाइफ साइंसेज) हैं, जिनके पास शिक्षा और पर्यावरण नीति में व्यापक अनुभव है। उन्होंने 2016 से 2022 तक हरियाणा सरकार के पर्यावरण मूल्यांकन प्राधिकरण के पूर्व सदस्य के रूप में कार्य किया है, और पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार, यूजीसी और सीएसआईआर से कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उनकी उल्लेखनीय परियोजनाओं में 2001 से 2006 तक नई दिल्ली के एनएससी (यूजीसी कंसोर्टियम) में पौधों की बाह्य-स्थलीय अनुकरणीय (भारी आयन विकिरण) प्रतिक्रिया पर एक परियोजना शामिल है। वर्तमान में, वह गुरुग्राम विश्वविद्यालय में लाइफ साइंसेज के एडजंक्ट प्रोफेसर हैं और जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) फरीदाबाद के कार्यकारी सदस्य हैं, साथ ही 2016 से 2020 तक गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के पूर्व कार्यकारी सदस्य भी रहे हैं।

डॉ. एस.एन. मिश्र के सत्र के मुख्य बिंदु शामिल थे:

स्थानीय कार्रवाई को सशक्त बनाना: डॉ. मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि सच्ची पर्यावरणीय स्थिरता जमीनी स्तर से शुरू होती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समुदाय, पर्यावरणीय परिवर्तनों से सीधे प्रभावित होने के कारण, स्थानीय चुनौतियों की पहचान करने और प्रभावी, संदर्भ-विशिष्ट समाधानों को लागू करने के लिए विशिष्ट रूप से अच्छी स्थिति में हैं।

सफलता के उदाहरण: अपने विशाल अनुभव से, जिसमें हरियाणा सरकार के पर्यावरण मूल्यांकन प्राधिकरण के सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल भी शामिल है, डॉ. मिश्रा ने समुदाय-नेतृत्व वाली सफल पहलों के कई प्रेरणादायक उदाहरण साझा किए। इनमें स्थानीय अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम, जलसंभर प्रबंधन परियोजनाएं, वन संरक्षण प्रयास, और जैव विविधता और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने वाली पारंपरिक पारिस्थितिक प्रथाओं का पुनरुद्धार शामिल थे।

पारंपरिक ज्ञान का लाभ उठाना: उन्होंने पर्यावरण प्रबंधन में स्वदेशी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के IMMENSE मूल्य पर प्रकाश डाला। डॉ. मिश्रा ने समझाया कि सदियों के जीवित अनुभव ने समुदायों को टिकाऊ प्रथाओं से लैस किया है जो अक्सर ऊपर-नीचे के हस्तक्षेपों की तुलना में अधिक प्रभावी और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त होते हैं।

चुनौतियाँ और समर्थन: सफलताओं का जश्न मनाते हुए, डॉ. मिश्रा ने सामुदायिक पहलों के सामने आने वाली सामान्य चुनौतियों को भी संबोधित किया, जैसे सीमित धन, तकनीकी विशेषज्ञता की कमी, और निरंतर प्रेरणा की आवश्यकता। उन्होंने सरकारी निकायों (जैसे पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार, यूजीसी, सीएसआईआर, जिनसे उन्होंने परियोजनाएं पूरी

कीं), गैर सरकारी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों से बाहरी समर्थन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो संसाधन, प्रशिक्षण और नीतिगत वकालत प्रदान करते हैं।

क्षमता निर्माण और स्वामित्व: सत्र ने समुदायों के भीतर क्षमता निर्माण के महत्व पर जोर दिया, जिससे उन्हें पर्यावरणीय परियोजनाओं का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाया जा सके। डॉ. मिश्रा ने सहभागी दृष्टिकोणों की वकालत की जहां समुदाय केवल लाभार्थी नहीं बल्कि सक्रिय निर्णय लेने वाले और कार्यान्वयनकर्ता भी हों।

समग्र दृष्टिकोण: डॉ. मिश्रा ने पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की वकालत करते हुए निष्कर्ष निकाला, जो सशक्त स्थानीय समुदायों के सामूहिक ज्ञान और कार्रवाई से प्रेरित होकर पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों को एकीकृत करता है।

राहुल तिवारी
वीपी- इकोएक्स फाउंडेशन

परिचय

बड़े उद्यम ग्राहकों के साथ खरीद और अनुपालन के लिए प्रौद्योगिकी को लागू करने में 14+ वर्षों का अनुभव। राहुल के पास प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए समाधान और उसके आसपास की सेवाओं को लागू करने का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने सीपीसीबी दिशानिर्देशों के तहत पीआईबीओपी के आर-पीईटी अनुपालन के साथ कई परियोजनाओं की शुरुआत की है। उन्होंने एसएपी अरिबा, एडोब, विजक्राफ्ट के साथ काम करते हुए परामर्श सेवाओं के साथ 200+ से अधिक ग्राहकों की सहायता की है। राहुल रणनीतिक गठबंधन का प्रबंधन कर रहे हैं और व्यवसाय विकास और संचालन की टीम का नेतृत्व कर रहे हैं।

इकोएक्स फाउंडेशन

इकोएक्स फाउंडेशन एक अग्रणी गैर-लाभकारी संगठन है जो जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने और भारत के विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी (ईपीआर) लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए समर्पित है। रणनीतिक साझेदारियों, आईईसी पहलों और जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से, इकोएक्स प्लास्टिक, ई-अपशिष्ट और बैटरी अपशिष्ट के स्थायी संग्रह, पृथक्करण और पुनर्चक्रण को सुनिश्चित करके एक चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करता है। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी पोर्टल और ईएसजी पहलों, बीआरएसआर रिपोर्टिंग में पंजीकरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए विशेषज्ञ परामर्श सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

कार्यशाला अनुसूची

(09-07-2025) सुबह का सत्र

सत्र I (सुबह 10:30- 11:30 बजे)

विषय:स्थायित्व और पर्यावरणीय चुनौतियों का परिचय

वक्ता: डॉ. अवनी खटकर, एलएफ और एचएफ वोल्टेज, करंट और माइक्रोवेव मेट्रोलॉजी में वैज्ञानिक, सीएसआईआर - राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार।

सत्र II (11:45 पूर्वाह्न- 12:45 अपराह्न)

विषय:पर्यावरण न्याय और मानवाधिकार
वक्ता: डॉ. अनुपम कुलरवाल (आचार्य),सह - प्राध्यापक,एमडीयू-सीपीएएस (एमडीयू सेंटर फॉर
प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज)

दोपहर का सत्र

सत्र III (1:30- 2:30 अपराह्न)

विषय: सतत विकास के लिए अभिनव समाधान
वक्ता:प्रो. पवनेश कुमार, प्रोफेसर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज इग्नू नई दिल्ली

सत्र IV (2:30 - 3:30 अपराह्न)

विषय:जलवायु परिवर्तन और सतत विकास
वक्ता: डॉ. भूपेंद्र चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली

(10-07-2025) सुबह का सत्र

सत्र V (9:30- 11:00 पूर्वाह्न)

विषय:जलवायु न्याय और सामाजिक समानता का अंतर्संबंध।
वक्ता:डॉ. वसुंधरा, डीन अकादमिक डीपीजी लॉ कॉलेज।

सत्र VI (11:30 पूर्वाह्न-12:45 अपराह्न)

विषय: पर्यावरणीय स्थिरता के लिए समुदाय आधारित पहल।
वक्ता: डॉ. एस.एन. मिश्रा, पूर्व डीन, एमडीयू विश्वविद्यालय, रोहतक

दोपहर का सत्र

VII (1:30-2:30 अपराह्न)

विषय कार्यशाला: स्थानीय समाधान तैयार करना।
वक्ता: राहुल तिवारी, वीपी- इकोएक्स फाउंडेशन
डॉ. शमा परवीन, डॉ. आशा (सहायक प्रोफेसर,)

सत्र VIII (2:30 - 3:30 अपराह्न)

डॉ. अमिता और डॉ. आकांक्षा द्वारा समापन भाषण और समापन सत्र।

प्रतिभागियों की सूची:

Name	Email	Phone	Institute Name	Designation
Dr. Sachita Yadav	sachitarao@gmail.com	9810225944	Manav Rachna University	Associate Professor
Dr. Santosh Yadav	santoshyadavamc82@gmail.com	7838882257	Oxford College Of Education	Assistant Professor
Mrs. Megha Garg	meghaygarg.1987@gmail.com	9812644162	K.R. Mangalam University	Assistant Professor
Dr. RAVI KANT RAHI	ravikrahi.20@gmail.com	9461014440	JECRC University	Assistant Professor
Dr. Richa Nangia	richa.nangia16@gmail.com	9953024474	Sushant University, Gurgaon	Associate Professor
Dr. Richa Arora	ric.arora85@gmail.com	9873851515	Sushant University	Associate Professor

Dr. Jonika Lamba	advjonikalamba@gmail.com	9711434142	K R Mangalam University	Assistant Professor
Dr. Akanksha Kulshreshtha	akanksha.kulshreshtha@gmail.com	7982949291	DPG Degree College	Assistant Professor
Dr. Yashpal Yadav	yashpalyadavg@gmail.com	9996026803	DPG DEGREE COLLEGE GURUGRAM	Associate Professor
Dr. SHIVANI SHARMA	shivanijoon333@gmail.com	9999625661	Amity University,Haryana	Assistant Professor
Dr. Dharmbir Singh	shdharm22@gmail.com	9416499810	DPG Degree College Gurugram	Professor
Dr. PRIYANKA KUMARI	priyanka.1985@hotmail.com	9819044640	DPG DEGREE COLLEGE GURGAON	Associate Professor
Dr. HITANSHU SALUJA	hitanshuu@gmail.com	9050272255	Ganga Institute of Technology & Management	Associate Professor
Mrs. Archana	archana@meri.edu.in	8802751751	MERI CET SAMPLA	Assistant Professor
Mr. Sukurulla Shaikh	sukurullashaikhmarvel1@gmail.com	8587016150	Dpg Degree College	PG Scholars
Dr. Kashmira Mathur	kashmira.mathur22@gmail.com	8619985535	DPG DEGREE COLLEGE	Faculty members of the AICTE approved institutions
Dr. Richa Bajaj	richasaibajaj@gmail.com	9911871487	Dpg college of pharmacy	Associate Professor
Mrs. RESHMA YADAV	reshma_etce@saitm.ac.in	9540322418	ST. ANDREWS INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mr. samir kumar shah	samirshah99@gmail.com	9711992191	K R Managalam University	Research scholars
Dr. Amita Singh	amita.singh@dpgdegreecollege.com	9871789357	DPG degree titration	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mrs. Deepa Sirohi	deepasirohi1987@gmail.com	7015843583	DPG LAW COLLEGE	Assistant Professor
Mrs. Nidhi jain	nidhi.botany@dpgitm.com	9968802008	Dpg degree college	Industry Bureaucrats/Technicians/ Professionals
Dr. NALINI SHARMA	nalini_2808@yahoo.co.in	9418114597	DPG DEGREE COLLEGE GURUGRAM	Assistant Professor
Dr. Vidhika Tiwari	drvidhika.tiwari@dpgdegreecollege.com	9475861717	DPG Degree college	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mrs. MEENU SHRAMA	meenu.sharma@dpgdegreecollege.com	8860959680	DPG DEGREE COLLEGE	Staff of host institutions nominated

Dr. Deepti Tanwar	tanwar.deepti@gmail.com	8826805805	DPG DEGREE COLLEGE	Associate Professor
Mrs. shweta Khatri	khatrish22@gmail.com	9810985090	DPG Degree College	Assistant Professor
Dr. REKHA DHULL	rekhabtdhull@gmail.com	9871247164	DPG DEGREE COLLEGE	Staff of host institutions nominated
Dr. Kriti Vaid	soahru@gmail.com	9418634353	DPG Degree College	Associate Professor
Dr. priya shukla	priya1history@gmail.com	9810901896	D P G Degree college	Associate Professor
Dr. Dr NALINEE KUMARI	nalineek9@gmail.com	7737196715	Starex University	Assistant Professor
Dr. Arti Jangra	aj4410@gmail.com	9991234406	DPG Degree College	Faculty members of the AICTE approved institutions
Dr. Diksha Sachdeva	dikshasachdeva48@gmail.com	9996591995	Dpg degree college Gurgaon	Faculty members of the AICTE approved institutions
Dr. Neha Rani	nm046582@gmail.com	9416221777	DPG Degree college Gurugram	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mr. Shokeen Khan	shokeenaps1209@gmail.com	9671534949	DPG Degree College	Assistant Professor
Miss Kaniahka Parmar	kanishkaparmar888@gmail.com	7015005923	Government College for Girls Sector 14, Gurugram	PG Scholars
Miss Sudesh	sudeshsheoran099@gmail.com	9817599502	Gurugram University	PG Scholars
Dr. Asha Rani	yadav.asha94@gmail.com	8585945381	DPG Degree College, Gurugram, Haryana	Assistant Professor
Mrs. Pooja Rani	poojamittal@dpgitm.com	7082066802	C.P.S.M College of Education, gurugram	Assistant Professor
Mrs. Deepika Arora Madan	deepika_200629@rediffmail.com	9971105108	C.P.S.M COLLEGE OF EDUCATION, GURUGRAM	Assistant Professor
Dr. SHAMA PARVEEN	shama.parveen@dpgdegreecollege.com	8010065372	DPG Degree College	Assistant Professor
Mr. RAVI KUMAR SHARMA	rks082903@gmail.com	9810944356	GTBIT	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mr. vinay prakash kaushik	vinaykaushik462@gmail.com	9711593955	Dpg degree college gurugram	PG Scholars
Dr. Reena Singh	reena3006.singh@gmail.com	9910432167	DPG Degree College, Gurugram	Faculty members of the AICTE approved institutions

Mrs. ALPA JAIN	alpajain0510@rediffmail.com	9802213357	Dpg degree college	Faculty members of the AICTE approved institutions
Miss Annu Yadav	annuy0205@gmail.com	9467496471	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Dr. ARTI YADAV	drarti.yadav@dpgdegreecollege.com	7206340739	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Mrs. Aanam Verma	aanamcpsm@gmail.com	9560895522	CPSM College of Education Gurugram	Assistant Professor
Mrs. Anupama Vadehra	anupama@dpgitm.com	9899226410	CPSM College of Education, Gurugram	Assistant Professor
Mrs. Rekha Tokas	thakranrekha77@gmail.com	8700778127	CPSM College Of Education	Assistant Professor
Dr. Sangita Yadav	s_yadav71@yahoo.co.in	9910435363	CPSM College of Education	Principal
Mrs. Sushila Devi	sushila@dpgitm.com	9953509405	CPSM College Of Education	Assistant Professor
Mrs. NIdhi Garg	nidhigarg478@gmail.com	9991553021	DPG Degree College	Assistant Professor
Mrs. Chanchal Sharma	bhardwajchanchal07@gmail.com	9311111626	DPG Degree College, Sec. 34,Gurugram	Assistant Professor
Dr. Anuradha Yadav	minuyadav1234@gmail.com	9953196596	DPG Degree College, Gurugram	Associate Professor
Miss Komal	demla.komal@mail.com	8766266809	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Dr. Shalini Arora	shalini.arora@dpgitm.com	9958050313	D.P.G. Degree College	Associate Professor
Miss RUMA	ruma.maths@gmail.com	8800928641	MANAV RACHNA INTERNATIONAL INSTITUTE OF RESEARCH AND STUDIES, FARIDABAD	Research scholars
Dr. Bharti Chauhan	bhartibc4@gmail.com	8800959044	Dpg law college	Faculty members of the AICTE approved institutions
Miss Prachi Mishra	prachimishra823@gmail.com	7678240581	Dpg Degree college	Assistant Professor
Mrs. Saroj Devi	sarojsingh9999747511@gmail.com	9999747511	C. P. S. M. College of Education	Assistant Professor
Dr. Amrita Singh	js.amrita8@gmail.com	7489305476	School of Legal Studies, K.R. Mangalam University	Assistant Professor
Dr. Aarti	aartilamba001@gmail.com	9958588585	K.R. Mangalam University	Assistant Professor

Dr. Arti Sharma	artimahajan1810@gmail.com	9899073342	KR Mangalam University	Assistant Professor
Dr. Shilpa Sharma	shilpasharma141097@gmail.com	8441015012	Starex university, Gurugram	Assistant Professor
Dr. Ginni Rani	ginni.rani84@gmail.com	9958200567	Dpg degree college	Assistant Professor
Miss Priya sharma	sharmapriya1026@gmail.com	8930301739	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Miss VERSHA BHARDWAJ	vershabhardwaj.doc@gmail.com	9650869864	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Miss vaishali chugh	vaishalichugh42@gmail.com	8708652937	DPG degree college	Assistant Professor
Dr. ANJU KUMARI	anju16sain@gmail.com	8930946229	dpg degree college, gurugram	Assistant Professor
Miss Pooja Goel	pooja.goel@dpgdegreecollege.com	9650292288	DPG Degree College	Faculty members of the AICTE approved institutions
Dr. ANITA CHAUHAN	anitadpg2020@gmail.com	8233288996	DPG DEGREE COLLEGE	Associate Professor
Mrs. Soni	dpgsoni90@gmail.com	8826628676	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Mrs. Shikha Sharma	sharma.shikha890@gmail.com	8368035874	DPG DEGREE COLLEGE	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mrs. Pragya Agarwal	pragya.sanjeevag@gmail.com	9350105778		
Dr. PRIYAJOT	drpriyajot.singh@dpgdegreecollege.com	8814025777	DPG DEGREE COLLEGE	Faculty members of the AICTE approved institutions
Miss SWATI SHARMA	swati.sharma@dpgdegreecollege.com	8700732658	DOG DEGREE COLLEGE	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mrs. SHIKHA MATHUR	shikhamathurdpgstmcse@gmail.com	9799967422	DOG DEGREE COLLEGE	Faculty members of the AICTE approved institutions
Miss Aarushi	aarubarawal@gmail.com	9999383206	DPG Degree College	PG Scholars
Miss Priti Yadav	preetiyadav7757@gmail.com	9625775621	DPG Degree College Gurugram	PG Scholars
Dr. Kanika Sachdeva	kanika.mba88@gmail.com	9650816838	Sushant University	Associate Professor
Dr. Gunjan A Rana	dr.gunjanarvindrana@gmail.com	9818449447	Sushant University	Associate Professor
Miss EKTA YADAV	ekta@dpgitm.com	9811811257	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Miss Monika Thakran	mnkhooda@gmail.com	9205255920	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor

Miss Ekta	ekta.yadav@dpgitm.com	9667161233	DPG Degree College	Assistant Professor
Miss Suruchi Jaiswal	suruchi.jaiswal@dpgdegreecollege.com	9910654874	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Mrs. Arpita Kasliwal	arpita90684@gmail.com	8888862248	DPG College of Pharmacy	Associate Professor
Mrs. Kajal Gupta	kajal.gupta@dpgdegreecollege.com	8700240021	DPG DEGREE COLLEGE, GURGAON	Faculty members of the AICTE approved institutions
Dr. Madhvi	dswdpg@gmail.com	9650521558	DPG College Of Pharmacy	Associate Professor
Dr. Anil Aggarwal	dakainbox@gmail.com	9416816599	DPG Degree College Gurugram	Faculty members of the AICTE approved institutions
Miss Anjali Paliwal	anjalipaliwal98@gmail.com	7906124520	DPG	Assistant Professor
Miss NONIKA ARORA	nonika@dpgitm.com	9877171243	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Mr. Nishchay kumar	nishchaysachdeva2@gmail.com	8950805218	Dpg Degree college, Gurugram	Faculty members of the AICTE approved institutions
Miss Arushi Jaiswal	jaiswalarushi29@gmail.com	8700846923	Lingayas Vidyapeeth	Research scholars
Mrs. Himanshi	himanshi19029@gmail.com	9671197446	DPG Degree College, Gurgaon	Assistant Professor
Miss Bhawna joon	bhawnajoon4@gmail.com	8368144175	Gurugram university	Research scholars
Miss Rekha Yadav	rekhayadavjanviyadav92@gmail.com	8930544353	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Mrs. Somya Angel Rao	somyaangelrao1@gmail.com	9654572393	Gurugram university	Research scholars
Miss Babita	babitadpgdegree27@gmail.com	9871432409	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Mrs. Jyoti Jain	jyotijain8791@gmail.com	9999673972	DPG Degree college	Assistant Professor
Mrs. Anju Rani	anjubhardwaj.dpg@gmail.com	9953160013	DPG DEGREE COLLEGE GURUGRAM	Assistant Professor
Mrs. Nidhi Khurana	khurananidhi20@gmail.com	8860203800	DPG POLYTECHNIC COLLEGE	HOD
Miss Geetanjali	geetanjali@dpgitm.com	7404401811	DPG Degree College	Assistant Professor
Mr. ROHIT SOLANKI	solankirohit43@gmail.com	9896862832	DPG POLYTECHNIC COLLEGE	Lecturer

Dr. Anjali Gautam	anjali.gautam09@gmail.com	9899991252	Dpg degree college	Faculty members of the AICTE approved institutions
Mrs. Pooja	p.v1885@gmail.com	9711676013	Dpg degree college	Faculty members of the AICTE approved institutions
Dr. Priyanka Girdhar	drpriyankagirdhar@gmail.com	9990143570	DPG DEGREE COLLEGE	Assistant Professor
Miss Minni sharma	minni.workshop@gmail.com	8076599436	DPG Degree college	Assistant Professor
Dr. Monika Bishnoi	monikabishnoi04@gmail.com	9896400044	K.R. Mangalam University	Assistant Professor
Dr. Shikha	shikha10286@gmail.com	8813881728	K.R mangalam university	Assistant Professor
Miss Shweta Yadav	shweta.yadav@dpgdegreecollege.com	7011712074	DPG Degree College	Assistant Professor
Mrs. Dr. Neha Sethi	gauravsethi87@gmail.com	9212107793	Dpg degree college, Sec.34	Assistant Professor
Mrs. Ritu Juneja	rtjuneja@gmail.com	9034881010	Ganga Institute of Technology and Management	Assistant Professor
Mrs. Aditi Sharma	kalsh.aditi@gmail.com	8284037133	MERI College of Engineering & TECHNOLOGY	Assistant Professor

DPG DEGREE CLLEGE WEBSITE

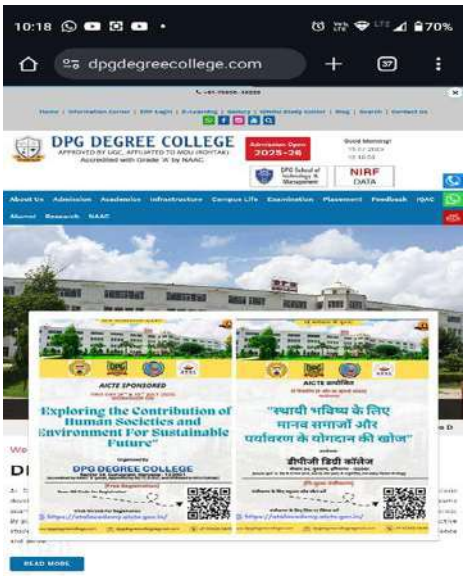

ENTERANCE GATE WITH BANNER

एक कदम हरित और सतत कल की ओर : डीपीजी कॉलेज में एआईसीटीई प्रायोजित वाणी योजना के तहत आयोजित की गई 2 दिवसीय कार्यशाला

MEDIA NOTE

<u>Glimpses of the Event</u>

Legislative Definitions- Envi

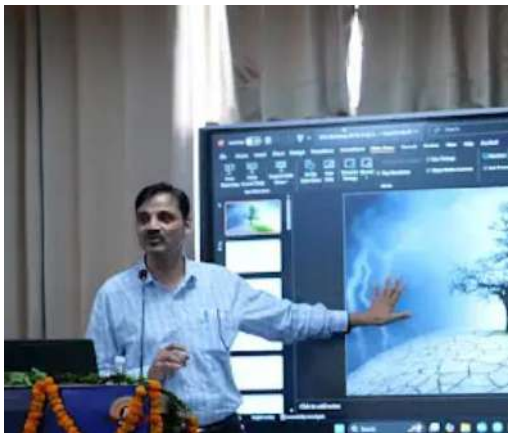

SPONSORED

ATAL

जलवायु न्याय और सामाजिक
समानता का अंतर्संबंध
AICTE प्रायोजित

AICTE प्रायोजित

Plastic and E-Waste
AICTE प्रायोजित

DPG Degree College link: https://www.dpgdegreecollege.com/

LinkedIn Publicity Link: https://www.linkedin.com/posts/dpgdegreecollege_aicte-workshop-activity-7349048343005650944-QPO3?utm_source=social_share_send&utm_medium=member_desktop_web&rcm=ACoAAAVnzM8BoJAqIR98Kuvxbc2xoQUOlFCZQ7w

Facebook Live Session Links:

https://www.facebook.com/share/v/1Ao9ZJ3E4K/

https://www.facebook.com/share/v/1Gg7to8UpS/

Facebook Publicity: https://www.facebook.com/share/p/1FbdyEkeVy/

Whatsapp Group:

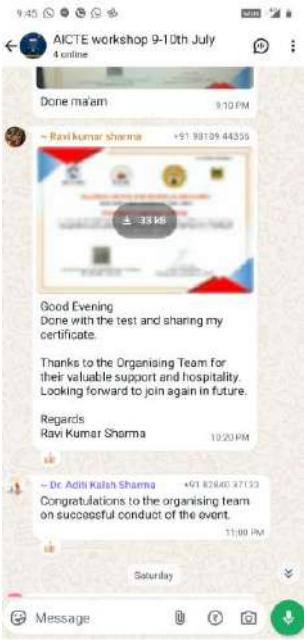

डीपीजी डिग्री कॉलेज, गुरुग्राम और पूरी आयोजन समिति की ओर से, मैं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) को हमारी हाल ही में संपन्न हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए आपके उदार प्रायोजन हेतु हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहती हूँ। "सतत भविष्य के लिए मानव समाजों और पर्यावरण के योगदान की खोज" शीर्षक वाली यह कार्यशाला 9 और 10 जुलाई, 2025 को गुरुग्राम स्थित हमारे कॉलेज परिसर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। आपका अमूल्य सहयोग इस आयोजन को एक शानदार सफलता बनाने में सहायक रहा।

हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कार्यशाला को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें गुरुग्राम के विभिन्न AICTE-अनुमोदित शिक्षण संस्थानों से 115 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पर्यावरणीय स्थिरता पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सूचनात्मक सत्रों की सभी उपस्थित लोगों ने बहुत सराहना की। चर्चाओं की गुणवत्ता और साझा किए गए ज्ञान की गहराई ने सतत प्रथाओं की गहरी समझ और जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।